हिंदी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल

হিন্দী বিশ্ববিদ্যালয়, পশ্চিম বাংলা

Hindi University, West Bengal

ज्ञान एकता प्रगति

हिंदी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

2022

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप हिंदी स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम :

क) कुल चार सेमेस्टर होंगे।

ख) प्रत्येक सेमेस्टर में पांच प्रश्नपत्र होंगे तथा सभी प्रश्नपत्र 50-50 अंक के होंगे। (लिखित 40 अंक, आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक)

ग) प्रत्येक प्रश्नपत्र में 5 क्रेडिट हैं। (4 क्रेडिट कक्षाएं और 1 क्रेडिट ट्यूटोरियल)

घ) प्रत्येक सेमेस्टर में 25 क्रेडिट हैं, पूर्णांक 1000 है।

Syllabus of PG (Hindi) in CBCS structure

2022

a) There will be four semesters.
b) There will be five courses of fifty marks each. (Written 40, Internal assessment 10)
c) Each paper has 5 credits. (4 Credits class & 1 Credit Tutorial)
d) Each semester has 25 credits, Total Marks 1000.

Course Distribution

Semester – I

HIN-101	Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadikaal aur Madhyakaal)
HIN-102	Hindi Bhasha Ka Vikas aur Devanagari Lipi
HIN-103	Hindi Kahani Sahitya
HIN-104	Hindi Patrakarita
HIN-105	Madhyakalin Kavya

Semester – II

HIN-201	Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)
HIN-202	Aadhunik Hindi Kavita
HIN-203	Hindi Upanyas
HIN-204	Bhasha Vigyan Ewan Hindi Bhasha Sanrachna
HIN-205	Hindi Kathetar Sahitya

Semester – III

HIN-301	Bhartiya Kavyashastra
HIN-302	Vividh Vimarsh Ewam Hindi Sahitya
HIN-303	Hindi Natak Aur Rangmanch
HIN-304 CBCS [For others department students]	Sahitya Aur Hindi Cinema
HIN-305 CBCS [For others department students]	Bangla Sahitya Ka Itihas

Semester – IV

HIN-401	Hindi Pariyojna Karya (Laghu Shodh Karya)
HIN-402	Paschatya Kavyashastra
HIN-403	Hindi Aalochana
HIN-404 (I) OPTIONAL or HIN-404 (II)	Anuwad Siddhant or Jansanchar, Media Aur Jansampark
HIN-405 (I) OPTIONAL or HIN-404 (II)	Prayojanmulak Hindi or Computer Anuprayog, Social Media Aur Hindi

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड HIN- 301

प्रश्नपत्र का शीर्षक -भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य का स्वरूप : काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के भेद
2. प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त :
   - i. रस सिद्धान्त : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, रस के अवयव, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, रसाभास एवं भावाभास
   - ii. अलंकार सिद्धान्त : अलंकारों का वर्गीकरण, मूल स्थापनाएँ और मूल्यांकन
   - iii. रीति सिद्धान्त : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद या प्रकार
   - iv. वक्रोक्ति सिद्धांत : अर्थ, अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप एवं भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद
   - v. ध्वनि सिद्धान्त : अर्थ लक्षण एवं स्वरूप, ध्वनि-काव्य के भेद,
   - vi. औचित्य सिद्धान्त : अर्थ लक्षण एवं स्वरूप, औचित्य के भेद
3. काव्य की आत्मा

	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	विकल्पों की संख्या	अंक	कुल अंक
अंक विभाजन	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2	2	10	2×10=20
	लघूत्तरी प्रश्न	3	2	5	3×5=15
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5	0	1	5×1=5
	आभ्यंतरीन मूल्यांकन				10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5			**Total / पूर्णांक**		**50**

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल : रस-मीमांसा
2. नगेंद्र : रस सिद्धांत
3. नगेंद्र : भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
4. भगीरथ मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र
5. सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र
6. बलदेव उपाध्याय : भारतीय काव्यशास्त्र

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड HIN- 302

प्रश्नपत्र का शीर्षक -विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

1. विमर्शों की सैद्धांतिकी : विमर्श : संकल्पना एवं स्वरूप ((भारतीय एवं पाश्चात्य)
   - i. स्त्री-विमर्श : अर्थ, परिभाषा, लिंग, जेंडर, पितृसत्ता की उत्पत्ति एवं विचारधारा, नारिवाद के प्रकार, महिला आंदोलन पाश्चात्य एवं भारतीय, नारी सशक्तिकरण, समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन
   - ii. दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की मान्यताएँ, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य लेखन
   - iii. आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप, जल,जंगल जमीन और अस्मिता का सवाल, आदिवासी चेतना, मौखिक और लिखित साहित्य परंपरा, आदिवासी दर्शन और वैचारिकता, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, आदिवासी भाषाएँ और बोलियाँ, समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन
2. काव्य :
   - i. स्त्रियाँ- अनामिका
   - ii. सात भाइयों के बीच चम्पा- कात्यायनी
   - iii. सुनो ब्राह्मण- मलखन सिंह
   - iv. तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? – कंवल भारती
   - v. कथन शालवन के अंतिम शाल का – राम दयाल मुंडा
   - vi. कलम को तीर होने दो- ग्रेस कुजूर
3. कहानी :
   - i. अन्नपूर्णा मण्डल की आखिरी चिट्ठी- सुधा अरोड़ा
   - ii. अम्मा- ओमप्रकाश वाल्मीकी
   - iii. मैना- रोज केरकेट्टा
4. आत्मकथा :
   - i. मुर्दहिया- तुलसीराम

	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	विकल्पों की संख्या	अंक	कुल अंक
अंक विभाजन	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2	2	10	2×10=20
	लघूत्तरी प्रश्न एवं व्याख्या मूलक प्रश्न	3	2	5	3×5=15
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5	0	1	5×1=5
	आभ्यंतरीन मूल्यांकन				10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5			Total / पूर्णांक		50

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. डॉ .अर्जुन चव्हाण : विमर्श के विभिन्न आयाम

2. प्रो .प्रदीप श्रीधर : हिंदी के समकालीन विमर्श
3. डॉ .नीता श्री.दौलतकर 21 :वीं सदी के साहित्यिक विमर्श
4. मंजु रुस्तोगी :अनामिका का काव्य
5. राजेंद्र यादव : अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य
6. राजेंद्र यादव : आदमी की निगाह में औरत
7. स्त्री के लिए जगह :संपादक :राजकिशोर
8. डॉ .के.एम.मालती स्त्री विमर्श :भारतीय परिप्रेक्ष्य
9. दीप्ति प्रियामहरोत्रा : भारतीय महिला आन्दोलन : कलआज और कल
10. रमणिका गुप्ता : स्त्रीमुक्ति :संघर्ष और इतिहास
11. समकालीन हिंदी साहित्य में नारी संवेदना : संपादक :दयानंद सालुंके
12. डॉ .रश्मि चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य में दलित चेतना : अवधारण और स्वरूप
13. दया पवार : दलित चिंतन
14. हिंदी दलित आत्मकथाएं : एकमूल्यांकन :पुनीताजैन
15. दलित साहित्य चिंतन) इतिहास और बोध दृष्टि :(नामदेव और नीलम
16. ओम प्रकाश बाल्मीकि:दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
17. आदिवासी साहित्य विमर्श : संपादक :डॉ .मोहन चव्हाण
18. हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श : संपादक :डॉ .हर्षलता साह
19. आदिवासी अस्मिता की पड़ताल करते साक्षात्कार : डॉ .रमणिका गुप्ता
20. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी :डॉ .रमणिका गुप्ता
21. आदिवासी भाषा और शिक्षा :संपादक :डॉ .रमणिका गुप्ता
22. गंगा प्रसाद मीना : आदिवासी साहित्य विमर्श : चुनौतियाँ और संभावनाएं
23. आदिवासीविकास से विस्थापन : संपादक :डॉ .रमणिका गुप्ता
24. आदिवासी साहित्य और संस्कृति : संपादक :विशाला शर्मा और दत्ता कोल्हारे
25. आदिवासी साहित्य विमर्श :संपादक :वी कृष्ण एवं भीम सिंह

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड HIN- 303

प्रश्नपत्र का शीर्षक -हिंदी नाटक और रंगमंच

1. नाटक
   i. नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व, नाटक के प्रकार
   ii. नाटक के उद्भव एवं विकास : भारतेन्दु-पूर्व युग, भारतेन्दु उग, संक्रांति युग, अनूदित नाटक, प्रसादयुगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक, समकालीन नाटककार, महिला नाटककर
   iii. हिंदी के प्रमुख नाट्य और रंग व्यक्तित्व, भारतेंदु और प्रसाद की रंग-दृष्टि
   iv. एकांकी नाटक का स्वरूप और क्रमिक विकास
   v. गीतिनाट्य : स्वरूप, सम्प्रेषण की तीव्रता, नुक्कड़ नाटक
2. रंगमंच : एक प्रदर्शनकारी कला
   i. रंगमंच की परिकल्पना, व्याख्या, प्रकृति तथा स्वरूप : परिचयात्मक पाठ, हिंदी रंगमंच का सामान्य परिचय, भारतीय रंगमंच और हिंदी रंगमंच
   ii. पारसी रंगमंच बनाम हिंदी रंगमंच, व्यवसायिक रंगमंच प्रदर्शन की विविध इकाइयां : मंचन, प्रदर्शन, प्रस्तुति आदि
   iii. हिंदी रंगमंच के विकास में हिंदीतर प्रान्तों की देन नाट्य-लेखन की समीक्षा
   iv. हिंदी नाटक और रंगमंच पर पाश्चात्य प्रभाव, भारत के नाट्यशास्त्र में वर्णित अभिनय

3. पाठ्य:
   i. भारतेन्दु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी
   ii. जयशंकर प्रसाद : चन्द्रगुप्त
   iii. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
   iv. शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य

	प्रश्नों के प्रकार	**प्रश्नों की संख्या**	**विकल्पों की संख्या**	**अंक**	**कुल अंक**
अंक विभाजन	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2	2	10	2×10=20
	लघूत्तरी प्रश्न एवं व्याख्या मूलक प्रश्न	3	2	5	3×5=15
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5	0	1	5×1=5
	आभ्यंतरीन मूल्यांकन				10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5			**Total / पूर्णांक**		**50**

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. गोविंद चातक : भारतीय नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश
2. सत्येंद्र कुमार तनेजा : नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना
3. कृष्णानंद तिवारी : नाटककार मोहन राकेश
4. नरेंद्र मोहन : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
5. गिरीश रस्तोगी : बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच

6. गोविंद चातक : नाटक की साहित्यिक संरचना
7. गोविंद चातक : नाट्य भाषा
8. जयदेव तनेजा : आज के हिंदी रंग नाटक
9. जयदेव तनेजा : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
10. जयदेव तनेजा : हिंदी नाटक : आजकल

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए)
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र कोड HIN- 304 [CBCS]
प्रश्नपत्र का शीर्षक - साहित्य और हिंदी सिनेमा

1. साहित्य
   i. अर्थ एवं क्षेत्र विस्तार
   ii. साहित्यिक विधाएं : कहानी, उपन्यास और नाटक आदि का सामान्य परिचय
   iii. साहित्य के उपकरण शिल्प और संवेदना

2. सिनेमा : एक सशक्त जनमध्यम
   i. हिंदी सिनेमा का इतिहास
   ii. फिल्मों के प्रकार : फीचर फिल्म, डाक्यूमेंट्री फिल्म, टेलीफिल्म, एनिमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म, विज्ञापन फिल्म
   iii. सिनेमा में अंतर्निहित तत्त्व : तकनीकी पक्ष
   iv. सिनेमा का कला पक्ष

3. साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध
   i. साहित्य और समाज
   ii. सिनेमा का महत्त्व : सामाजिक ,राजनीतिक समस्याओं के प्रति जागरूकता, भारतीय संस्कृति से रूबरू कराता है और नये मूल्यों की स्थापना
   iii. हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक साहित्यिक कृतियों का उपयोग
   iv. साहित्य के फिल्मांतर की समस्याएं

4. साहित्यिक कृतियों का सिनेमा पर प्रभाव (प्रत्येक भाषा से वे दो फिल्में जो पिछले वर्ष नहीं चुने गए हों / अथवा प्रत्येक विद्यार्थी प्रत्येक भाषा से किन्हीं दो फिल्मों का चुनाव कर सकते हैं ।)
   i. प्रमुख हिंदी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में और उनकी समीक्षा
      सद्गति, तीसरी कसम, तमस, सूरज का सांतवा घोड़ा एवं मोहल्ला अस्सी
   ii. प्रमुख बांग्ला साहित्यकारों की कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में और उनकी समीक्षा (किन्हीं दो)
      बालिका वधू, देवदास (1955/2002), परिणीता (2005), चोखेर बाली (2003) एवं उपहार
   iii. हिंदी एवं बांग्ला के अतिरिक्त अन्य भाषाओं की कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में और उनकी समीक्षा
      गाइड, पिंजर, आक्रोश (1980) एवं चरणदास चोर

	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	विकल्पों की संख्या	अंक	कुल अंक
अंक विभाजन	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2	2	10	2×10=20
	लघूत्तरी प्रश्न	3	2	5	3×5=15
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5	0	1	5×1=5
	आभ्यंतरीन मूल्यांकन				10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5			**Total / पूर्णांक**		**50**

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. हर्षदेव : उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक
2. पीटर गोल्डिंग : जनमाध्यम
3. जगदीश्वर चतुर्वेदी : जनमाध्यम सैद्धांतिकी
4. हरीश कुमार : सिनेमा और साहित्य
5. वसुधा पत्रिका : फिल्म विशेषांक
6. राही मासूम रजा : सिनेमा और संस्कृति

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए)
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र कोड HIN- 305 [CBCS]
प्रश्नपत्र का शीर्षक -बांग्ला साहित्य का इतिहास

1. बांग्ला भाषा का उद्भव एवं विकास
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास (प्राचीन युग)
   - i. बौद्ध साहित्य एवं चर्यापद
   - ii. वैष्णव साहित्य (श्री कृष्ण कीर्तन)
   - iii. मंगल काव्य (मनसा मंगल और चंडी मंगल)
3. बांग्ला साहित्य का इतिहास (मध्ययुग)
   - i. पूर्व चैतन्य युग
   - ii. चैतन्य युग
4. बांग्ला साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल 1950 तक)
   - i. काव्य
   - ii. गद्य का विकास
   - iii. नाटक
   - iv. कहानी एवं उपन्यास
   - v. रवींद्र युग एवं परवर्ती साहित्य : सामान्य परिचय
5. प्रमुख रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन :
   - i. माइकल मधुसूदन दत्त
   - ii. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
   - iii. रवींद्रनाथ ठाकुर
   - iv. गिरिश्चंद्र घोष
   - v. द्विजेंद्रलाल राय
   - vi. शरतचंद्र चट्टोपाध्याय
   - vii. काजी नजरुल इस्लाम

	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	विकल्पों की संख्या	अंक	कुल अंक
अंक विभाजन	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2	2	10	2×10=20
	लघूत्तरी प्रश्न	3	2	5	3×5=15
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5	0	1	5×1=5
	आभ्यंतरीन मूल्यांकन				10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5			**Total / पूर्णांक**		**50**

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. डॉ. सुकुमार सेन : बांग्ला साहित्य का इतिहास (अनुवाद : निर्मला जैन), साहित्य अकादमी
2. ভুদেব চোধুরী : বাংলা সাহিত্যের ইতিকথা
3. ড. অসিত কুমার বন্দ্যোপাধ্যায় : বাংলা সাহিত্যের সম্পূর্ণ ইতিবৃত্ত
4. শ্রীকুমার বন্দ্যোপাধ্যায় : বাংলা সাহিত্যের বিকাশের ধারা
5. ড. কৃষ্ণপদ গোস্বামী : বাংলা ভাষাতত্ত্বের ইতিহাস